राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यापन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यापित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर
: 09794299451
☎ : 0551-2105416
Web.: www.mpm.edu.in
e-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक ....

दिनांक 20/12/16

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी०जी० कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर में महाराजा छत्रसाल की पुण्य तिथि समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डा० प्रदीप राव ने कहा कि – " राजा छत्रसाल भारत के प्रतापी शासक थे उन्होंने जीवन पर्यन्त मातृभूमि की अखण्डता सम्प्रभुता एवं स्वतन्त्रता हेतु संघर्ष किया। बुन्देलखण्ड केसरी नाम से विख्यात महाराजा छत्रसाल का यह शौर्य और पराक्रम ही था कि औरंगजेब जैसा क्रूर और घोर साम्राज्यवादी मुगल शासक भी उन्हें पराजित करने में सफल नहीं हो पाया। इतना ही नहीं महाराजा छत्रसाल ने समय-समय पर औरंगजेब द्वारा भेजे गए कुछ मुगल सरदारों जैसे – तहवर खाँ, अनवर खाँ, सदरुद्दीन, मुराद खाँ और सैय्यद अफगान जैसे सिपहसालारों को भी पराजित कर एक विस्तृत राजपूत राज्य की स्थापना की। जिसके विस्तार के सम्बन्ध में तत्कालीन बुन्देलखण्डी काव्यों में कहा गया–

'इत यमुना, उत नर्मदा, इत चम्बल उत टोंस
छत्रसाल सो लरन की रही न काहू हौंस।

कार्यक्रम के संचालक श्री सुबोध मिश्र ने कहा कि महाराजा छत्रसाल अपने समय के महान शूरवीर शासक एवं कुशल नेतृत्वकर्ता थे, उन्होंने मातृभूमि पर अपना सबकुछ न्यौछावर कर दिया वह हम सबके लिए अनुकरणीय है। महाराजा छत्रसाल के पदचिन्हों पर चलकर निःसन्देह हम अपने राष्ट्र के विकास में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यकालीन इतिहास विभाग के प्रभारी डा० महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

सूचना एवं जनसम्पर्क
अधिकारी